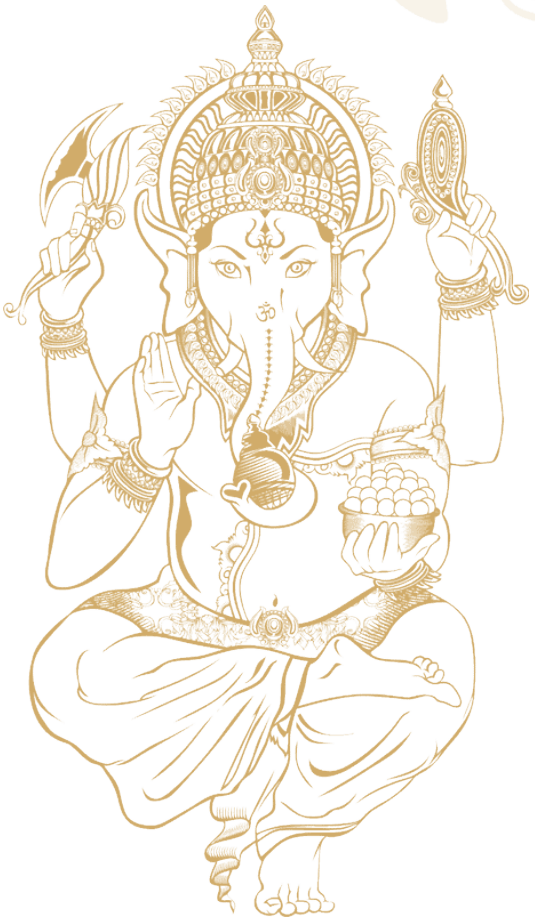

Mohit

Lucky

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121835502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/06/1996	जन्म तिथि	14/01/2000
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 17:12:00	जन्म समय	21:28:00 घंटे
घटी 29:17:11	जन्म समय(घटी)	35:30:40 घटी
India	देश	India
Alwar	स्थान	Alwar
27:32:00 उत्तर	अक्षांश	27:32:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व	रेखांश	76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40	स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:29:07	सूर्योदय	07:15:43
19:21:47	सूर्यास्त	17:49:27
23:48:32	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:14

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 3वर्ष 10मा 8दि	08:55:12	वृश्चि	लग्न	सिंह	17:59:10	केतु 6वर्ष 4मा 14दि
सूर्य	06:33:40	मिथु	सूर्य	धनु	29:56:08	शुक्र
30/04/2020	05:59:18	सिंह	चंद्र	मेष	01:11:41	30/05/2006
30/04/2026	12:30:23	वृष	मंगल	कुंभ	14:18:58	30/05/2026
सूर्य 17/08/2020	16:28:34	वृष	बुध	धनु	29:03:30	शुक्र 29/09/2009
चन्द्र 16/02/2021	20:35:16	धनु व	गुरु	मेष	02:13:14	सूर्य 29/09/2010
मंगल 24/06/2021	20:15:35	वृष व	शुक्र	वृश्चि	23:42:40	चन्द्र 30/05/2012
राहु 18/05/2022	12:57:50	मीन	शनि	मेष	16:26:25	मंगल 30/07/2013
गुरु 07/03/2023	19:46:23	कन्या व	राहु व	कर्क	09:53:19	राहु 29/07/2016
शनि 17/02/2024	19:46:23	मीन व	केतु व	मक	09:53:19	गुरु 30/03/2019
बुध 23/12/2024	10:02:47	मक व	हर्ष	मक	21:39:06	शनि 30/05/2022
केतु 30/04/2025	03:15:33	मक व	नेप	मक	09:49:20	बुध 30/03/2025
शुक्र 30/04/2026	07:09:15	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	18:02:18	केतु 30/05/2026

लग्न-चलित

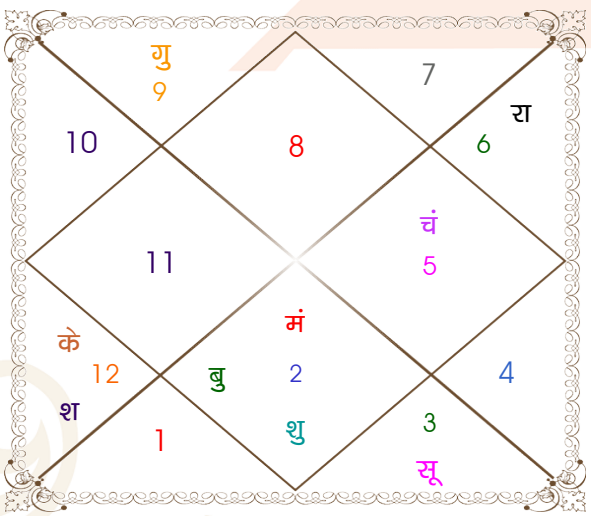

लग्न-चलित

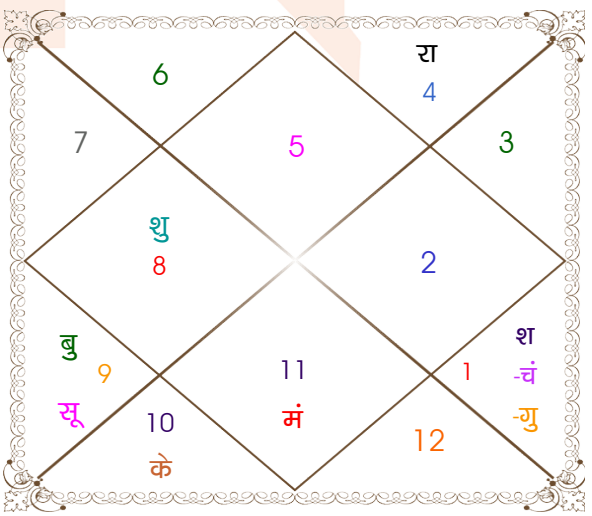

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डवीपज का वर्ग मूषक है तथा स्नबाल का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डवीपज और स्नबाल का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डवीपज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल डवीपज कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

स्नबाल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डवीपज कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डवीपज तथा स्नबाल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।